भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4633
दिनांक 28 मार्च, 2025 को उत्तर के लिए

महिलाओं के लिए सशक्तीकरण और कल्याण कार्यक्रम

4633. **मोहम्मद रकीबुल हुसैन:**

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) धुबरी में विशेषकर ग्रामीण और जनजातीय समुदायों के लिए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना जैसे महिला- केन्द्रित कल्याण कार्यक्रमों तक पहुंच में सुधार लाने के लिए किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार यह सुनिश्चित करके कि धुबरी में विशेषकर दूरस्थ और बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध हों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सहित महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से किस प्रकार निपट रही है; और

(ग) क्या धुबरी में महिलाओं की आजीविका के अवसरों में सुधार करने के लिए कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता कार्यक्रमों और वित्तीय समावेशन प्रयासों जैसे आर्थिक क्रियाकलापों में उनकी भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कोई पहल शुरू की गई है, और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री
(श्रीमती सावित्री ठाकुर)

(क) और (ख): सरकार देश में महिलाओं के सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। इसने महिलाओं,जिनमें धुबरी के ग्रामीण और जनजातीय

समुदायों की महिलाएं भी शामिल हैं, की समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से जीवन-क्रम निरंतरता के आधार पर बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है जिसमें उनकी शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाता है ताकि वे तीव्र गति वाले एवं सतत राष्ट्रीय विकास में समान भागीदार बन सकें।

घटते बाल लिंग अनुपात और बालिकाओं तथा महिलाओं के सशक्तीकरण से संबंधित समस्याओं का समाधान में सहायता करने के उद्देश्य से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (बीबीबीपी) योजना दिनांक 22 जनवरी 2015 को शुरू की गई थी। इस योजना में सभी हितधारकों को जानकारी देकर, प्रभावित, प्रेरित, शामिल करके और सशक्त बनाकर बालिकाओं के प्रति मानसिकता एवं व्यवहार में बदलाव लाने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। दिनांक 1 अप्रैल 2022 से लागू मिशन शक्ति के दिशा-निर्देश में, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना का विस्तार किया गया है ताकि बहुक्षेत्रीय कार्यकलापों के माध्यम से देश के सभी जिलों को कवर किया जा सके। सरकारी एजेंसियों, मीडिया, नागरिक समाज और आम जनता सहित विभिन्न हितधारकों को संगठित करके बीबीबीपी एक नीतिगत पहल से राष्ट्रीय आंदोलन का रूप ले लिया है।

पिछले कुछ वर्षों में, धुबरी में महिलाओं के स्वास्थ्य, विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए कई पहल शुरू की गई हैं, जिसमें यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि महिलाओं, विशेष रूप से दूरदराज और बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मिल सके ।

प्रमुख पहल/कार्यक्रम में निम्न शामिल हैं:

- **निःशुल्क स्वास्थ्य जांच:** स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 8 आईसीडीएस परियोजना स्तरों पर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच उपलब्ध कराना।
- **एनीमिया जांच शिविर:** स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से 8 आईसीडीएस परियोजना स्तरों पर एनीमिया जांच शिविर आयोजित करना।
- **जागरूकता अभियान:** 25 बाढ़ राहत शिविरों में एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) और पोषण जैसी बाल स्वास्थ्य योजनाओं को बढ़ावा देना।
- **स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को प्रशिक्षण:** 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के दौरान पीसी और पीएनडीटी अधिनियम एवं एमटीपी अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण कानूनों पर स्वास्थ्य सेवा कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

- **बेहतर स्वास्थ्य सेवा पहुंच:** आवश्यक दवाओं, सैनिटरी नैपकिन की उपलब्धता बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना कि स्वास्थ्य सुविधाएं विशेष रूप से दूरदराज और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आपात स्थितियों से निपटने के लिए सुसज्जित हों।

(**ग**): धुबरी के विभिन्न ब्लॉकों में आर्थिक कार्यकलापों में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं जिनमें कौशल विकास, व्यावसायिक प्रशिक्षण और वित्तीय समावेशन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। प्रमुख पहलों में शामिल हैं:

- डिजिटल साक्षरता: धुबरी टाउन, गोलोकगंज, बिलासीपारा और चापर ब्लॉक सहित धुबरी जिले में 120 महिलाओं एवं बालिकाओं को कंप्यूटर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है।

- सिलाई प्रशिक्षण: धुबरी शहर में 30 महिलाओं और बालिकाओं को सिलाई प्रशिक्षण दिया गया है।

- आत्मरक्षा कार्यशालाएँ: ब्लॉकों में विभिन्न स्थानों जैसे गौरीपुर पब्लिक लाइब्रेरी, बिलासीपारा प्रतिमा पांडे ऑडिटोरियम हॉल और चापर, महामाया, बिलासीपारा, नयारलगा एवं डेबिटोला में 5 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में लगभग 1,200 बालिकाओं को आत्मरक्षा में प्रशिक्षित किया गया है।
- डिटर्जेंट पाउडर बनाने की कार्यशालाएँ: गौरीपुर ब्लॉक में 72 महिलाओं को डिटर्जेंट पाउडर बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

- उद्यमिता सहायता: सिलाई और डिटर्जेंट पाउडर बनाने की कार्यशालाओं में भाग लेने वाली महिला प्रतिभागियों को उद्यमिता पर मार्गदर्शन दिया गया, साथ ही उनके व्यवसायिक उद्यमों में सहयोग करने के उद्देश्य से स्टैंड अप इंडिया और मुद्रा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

- वित्तीय समावेशन: डाकघर और अग्रणी बैंक प्रबंधक के सहयोग से सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) के लिए कुल 20 नामांकन अभियान चलाए गए हैं।

*****